Printed Pages – 4

I-58

B.A. (Part-II) Examination, 2020

SANSKRIT

Paper - II

(पद्य तथा साहित्येतिहास)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 75

Minimum Pass Marks : 25

नोट : सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है। अंक प्रश्नों के समक्ष अंकित हैं।

इकाई–I

Q. 1. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो श्लोकों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए। **15**

(अ) तस्याः खुरन्यासपवित्रपांसुमपांसुलानां धुरि कीर्तनीया।
मार्गं मनुष्येश्वरधर्मपत्नी श्रुतेरिवार्थं स्मृतिरन्वगच्छत्।।

(ब) अलं महीपाल! तव श्रमेण प्रयुक्तमप्यस्त्रमितो वृथा स्यात्।
न पादपोन्मूलनशक्ति रंहः शिलोच्चये मूर्च्छति मारुतस्य।

(स) एकातपत्रं जगतः प्रभुत्वं नवं वयः कान्तमिदंवपुश्च।
अल्पस्य हेतोर्बहुहातुमिच्छन्विचारमूढ़ः प्रतिभासि मे त्वम्।

(ख) निम्नांकित श्लोक का अनुवाद कीजिए : **10**

व्रताय तेनानुचरेण धेनोर्न्यषेधि शेषोप्यनुयायिवर्गः।
न चान्यतस्तस्य शरीररक्षा स्ववीर्यगुप्ता हि मनोः प्रसूतिः।।

अथवा

पुरस्कृता वर्त्मनि पार्थिवेन प्रत्युद्गता पार्थिवधर्मपत्न्या।
तदन्तरे सा विरराज धेनुर्दिनक्षपामध्यगतेव संध्या।

इकाई–II

Q. 2. राजा दिलीप की गौ सेवा का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए। **10**

अथवा

'उपमा कालिदासस्य' – इस कथन की समीक्षा कीजिए।

इकाई–III

Q. 3. किन्हीं दो श्लोकों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : **20**

(क) वरं पर्वतदुर्गेषु भ्रान्तं वनचरैः सह।
न मूर्खजनसम्पर्कः सुरेन्द्र भवनेष्वपि।।

(ख) दानं भोगो नाशस्तिस्त्रो गतयो भवन्ति वित्तस्य।

यो न ददाति न भुङ्क्ते तस्य तृतीया गतिर्भवति।।

(स) श्रोत्रं श्रुतेनैव न कुण्डलेन दानेन पाणिर्न तु कङ्कणेन।

विभाति कायः करुणापराणां परोपकारैर्नतु चन्दनेन।।

(द) छिन्नोऽपि रोहति तरुक्षीणोप्युपचीयते पुनश्चन्द्रः।

इति विभृशन्तः सन्तः सन्तप्यन्ते न दुःखेषु।।

इकाई–IV

Q. 4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : **10**

(1) कुमारसंभवम्

(2) राजतरंगिणी

(3) शिवराज विजयम्

(4) दशकुमार चरितम्

इकाई–V

Q. 5. निम्नाङ्कित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त लेख लिखिए : **10**

(1) शतकत्रयम्

(2) मेघदूतम्

(3) नलचम्पू

(4) हितोपदेशः